Top Priority

No-EDN-HE(21)B(15)15/2014-V
Directorate of Higher Education
Himachal Pradesh, Shimla-1
Tel:0177-2653120Extn.234_E.mail:genbr@rediffmail.com, Fax:2812882

शिक्षा निदेशालय उच्चतर
01 MAY 2015
शिमला - 1

Dated Shimla-1 the May, 2015

To

1. All the Principals,
   Govt. Degree/ Skt. Colleges in,
   Himachal Pradesh

2. All the Principals,
   Govt. Sr. Sec.Schools in,
   Himachal Pradesh

Subject:- **Regarding celebration of World Thalassemia Day on 08th May 2015.**

Memo,

The World Health Organization has declared 8th May as World Thalassemia Day, to be an awareness drive about this genetic disorder.

Therefore, to make the adults aware of this malady, it is being proposed to celebrate this day in all Govt. Colleges & Senior Secondary Schools of the state from this year. The assistance of any Doctor/ Medical Officer in your area may be sought to deliver a lecture or have a preparatory presentation on this occasion.

This awareness drive shall benefit the entire population of the State and is to be considered as a TOP PRIORITY. The prizes to winners in declamation contest be given from Amalgamated Fund.

(Dinkar Burathoki),
Director of Higher Education,
Himachal Pradesh

Endst. No. even dated Shimla-1 the May,2015
Copy for information and necessary action is forwarded to:-

1. The Principal, State Institute of Health & Family Welfare, Parimahal, Shimla-9.
2. All the Deputy Directors of Higher Education in Himachal Pradesh, with the direction to issue necessary instructions to all field functionaries under their control to compliance these orders in letter & spirit.
3. The Technical Officer, IT Cell, with the direction to upload the same on the departmental website.
4. Guard file.

Director of Higher Education,
Himachal Pradesh

थैलेसीमिया

माता पिता बनने से पूर्व सभी दम्पति अपने खून की जाँच अवश्य करायें

- थैलेसीमिया एक माता पिता से बच्चों में आने वाली आनुवांशिक बिमारी है, जो कि एक पैदायशी रक्त विकार है।
- अगर मां-बाप दोनों थैलेसीमिया कैरियर हों तो 25% बच्चों को थैलेसीमिया रोग होना सम्भावित है।
- भारत में लगभग एक लाख थैलेसीमिया बच्चों को हर महीने खून चढ़ाया जाता है।
- एक थैलेसीमिक बच्चे पर हर वर्ष लगभग हजारों रूपये खर्च करने पर भी लम्बी उम्र की उम्मीद कम रहती है।
- भारत में हर 100 लोगों में से 3-4 व्यक्ति थैलेसीमिया कैरियर है।
- हिमाचल प्रदेश में लगभग दो लाख लोग थैलेसीमिया कैरियर हो सकते हैं।
- छोटे बच्चे में खून की कमी, थकावट और वजन न बढना इत्यादि लक्षणों से थैलेसीमिया का पहली बार पता चलता है।

यह जानना जरूरी है कि ये प्रेम का बंधान है या थैलेसिमिया का

थैलासेमिया रोकें

हर व्यक्ति को थैलेसीमिया कैरियर होने की जांच करवानी चाहिए। क्योंकि कोई भी स्वस्थ दिखने वाला व्यक्ति थैलेसीमिया कैरियर हो सकता है।

जो व्यक्ति थैलेसीमिया कैरियर पाए जाएं वह दूसरे थैलेसीमिया कैरियर से शादी करने के बजाये ऐसे व्यक्ति से शादी करें जो थैलेसीमिया कैरियर न हो।

इलाज से परहेज बेहतर है

थैलेसीमिया रोकें अपनी जांच करवायें

अपने खून की जांच अवश्य करवायें

थैलेसीमिया केरियर मां बाप अपने पहले गर्भ की अवश्य जांच करवायें।

थैलेसीमिक बच्चे के मां बाप अगले गर्भ की, थैलेसीमिया के लिये जांच करवायें।

हिमाचल प्रदेश उपभोक्ता सरंक्षण परिषद द्वारा जनहित में जारी

Concept: **Dr. Omesh K. Bharti**

Designed by: **Kawasaki**